सत्यमेव जयते
असम सरकार

असम के माननीय राज्यपाल
श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य
जी का अभिभाषण

15वीं असम विधानसभा
बजट सत्र, 2025 का
पहला दिन

17 फरवरी, 2025

स्थान

बीटीसी विधानसभा, कोकराझार

असम विधान सभा के माननीय अध्यक्ष महोदय,
माननीय मुख्यमंत्री, असम,
मंत्रिपरिषद के माननीय सदस्यगण,
असम विधान सभा के माननीय सदस्यगण,

तथा इस गौरवशाली सदन के माननीय सदस्यगण,

मैं असम विधान सभा के बजट सत्र **2025** के अवसर पर आपके समक्ष बहुत ही विनम्रता के साथ उपस्थित हुआ हूँ। मैं आप सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ। यह सत्र हमारी यात्रा पर चिंतन-मंथन करने, चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने और हमारे इस प्रिय राज्य असम के भविष्य के लिए एक दूरदर्शी रोडमैप तैयार करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

"सं गच्छध्वं सं वदध्वं सं वो मनांसि जानताम् |
देवा भागं यथा पूर्वे संजानाना उपासते ||"

"Saṁ gacchadhvaṁ saṁ vadadhvaṁ saṁ vo
manāṁs ijānatām |
Devā bhāgaṁ yathā pūrve saṁjānānā upāsate ||"

अनुवाद: "एक साथ चलो, एक साथ बोलो, अपने मन को सामंजस्य में रखो, जैसे प्राचीन काल के देवता अपने साझा उद्देश्य में एकजुट थे।"

अथर्ववेद (**7.52.2)** का यह उद्धरण सामूहिक एकता और सहयोग की एक बहुत ही सुंदर अभिव्यक्ति है, जो लोकतंत्र के आदर्शों को पूरी तरह से दर्शाता है- जहाँ शासन का साझा उद्देश्य, सद्भाव और सभी नागरिकों के सामूहिक कल्याण पर आधारित है, जो हमारी सरकार के समान है।

असम के लोगों का अटूट विश्वास और भरोसे के साथ, हमारी इस सरकार को सद्भाव, प्रगति और समृद्धि के युग की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे पक्कार विश्वास है कि इस सत्र के दौरान जो जो चर्चाएं होंगी एवं निर्णय लिए जाएंगे, वे असम को एक जीवंत, समावेशी और दूरदर्शी राज्य में बदलने की नींव को और मजबूत प्रदान करेंगे, जो हमारे नागरिकों की आशा- आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

असम हमेशा से अपनी महानता, ज्ञान और बोध एवं साहस की भूमि रही है। हमें पुराण ग्रंथों और प्राचीन शास्त्रों में एवं भारत की इतिहास में असम की प्रचीनता के मजबूत

स्रोत मिलते हैं। कामरूप और प्रागज्योतिषपुर के शक्तिशाली साम्राज्यों ने हमारी सभ्यता को एक आकार दिया, और उसी तरह कोच और अहोम राजवंशों ने हमारी विरासत को समृद्ध किया। माँ कामाख्या के आशीर्वाद से लेकर श्री श्री शंकरदेव और श्री माधव देव के आध्यात्मिक मार्गदर्शन तक, असम शक्ति और सांस्कृतिक प्रतीक रहा है। लाचित बरफुकन की बहादुरी और बुलंदी हमें अपनी भूमि की रक्षा और उत्थान के हमारे कर्तव्य की याद दिलाती है।

आज, हमारी सरकार इन खोए हुए गौरवोज्ज्वल इतिहास को पुनर्जीवित करने और हमारे उस अतीत का भविष्य का निर्माण करने के लिए काम कर रही है जिस अतीत ने हमें सम्मानित किया था। असम अब देश और दुनिया के बाकी हिस्सों से जुड़ रहा है। यह जुड़ाव हमारे लिए गर्व और महनतम उद्देश्य से प्रेरित है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि मजबूत बुनियादी ढांचे, बेहतर उद्योगों की स्थापना और नए अवसरों के माध्यम से राज्य के प्रत्येक नागरिक इस विकास में हिस्सा लें। हमारी समृद्ध परंपराएँ हमें प्रेरणा देती हैं, परंतु हमारा दृष्टिकोण

आधुनिक है। हम एक ऐसा राज्य बना रहे हैं जो इतिहास को प्रगति के साथ जोड़े और सभी के लिए सम्मान और समृद्धि सुनिश्चित कर सके।

माननीय सदस्यगण,

इस पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए, मैं सरकार की कुछ नई उपलब्धियों और हाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालना चाहूंगा।

असम का जीएसडीपी और आर्थिक विकास

- पिछले एक दशक के दौरान, असम आर्थिक विकास के स्थिर पथ पर रहा है, जिसने **12.6%** की प्रभावशाली चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (**CAGR)** हासिल की है। वित्तीय वर्ष **2022-23** के दौरान कर राजस्व में **25%** की वृद्धि और वित्तीय वर्ष **2023-24** में **15%** की वृद्धि से इस मजबूत फाउंडेशन को और ज्यादा मजबूती मिली है।
- अधिक व्यवस्थित और निरंतर आर्थिक प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए, इस राज्य ने एक अभिनव और अग्रणी पहल शुरू की है- बॉटम अप एप्रोच

(**bottom-up approach**) जैसे दृष्टिकोण का उपयोग करके प्रत्येक जिले के लिए जिला घरेलू उत्पाद (डीडीपी) का आकलन। यह प्रयास जिला घरेलू उत्पाद आकलन और असम परियोजना का जिला विजन दस्तावेज के हिस्से के रूप में किया गया। यह प्रयास देश में किसी भी राज्य द्वारा किए गए प्रयास में से अपनी तरह का पहला प्रयास है। इस व्यापक कार्याभ्यास का परिणाम वित्तीय वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही तक उपलब्ध हो जाएगा।

- राज्य की बढ़ती आय का असम के आर्थिक परिदृश्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसके जवाब में, माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के समग्र मार्गदर्शन में निजी कैबिनेट मंत्रियों के नेतृत्व में विभाग न केवल मौजूदा विकास की गति को बनाए रखने के लिए बल्कि इसकी समग्र बढ़ोत्तरी के लिए आपसी समन्वय से काम कर रहे हैं।
- सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए असम की प्रतिबद्धता को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है, राज्य एसडीजी इंडिया इंडेक्स में "फ्रंट रनर" की

स्थिति में आगे बढ़ा है और लक्ष्य-**7 (**स्वच्छ ऊर्जा) में इसने **100%** स्कोर हासिल किया है।

असम: भारत की सेमीकंडक्टर और औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व कर रहा है

- असम गुजरात के साथ-साथ भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में तेजी से उभर रहा है। जागीरोड में 27,000 करोड़ रुपये की लागत वाला टाटा **ATMP (**असेंबली, टेस्ट, मार्किंग और पैकेजिंग) प्लांट मेक इन इंडिया के तहत एक ऐतिहासिक निवेश है, जिसमें टाटा इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित स्वदेशी तकनीक का उपयोग किया गया है। वर्तमान निर्माण-कार्य जोरों पर है, जिसमें 1,444 कर्मचारी और 91 भारी मशीनें काम में लगी हुई हैं। दिसंबर, 2025 में उत्पादन शुरू होने वाला है, जिसमें शुरुआत में इसकी पूरी क्षमता के एक-चौथाई पर प्रतिदिन 1.2 करोड़ चिप्स का निर्माण किया जाएगा। पूरी तरह चालू होने के बाद, यह सुविधा 12,000 प्रत्यक्ष और 25,000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे, जिससे असम

तकनीकी और औद्योगिक विकास के एक नए युग में प्रवेश करेगा।

आधुनिक उर्वरक संयंत्र के साथ कृषि को बढ़ावा देना

- सेमीकंडक्टर के अलावा, ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड (**BVFCL)** के तहत एक अत्याधुनिक उर्वरक संयंत्र की स्थापना के साथ असम का औद्योगिक विस्तार-कार्य जारी है। केंद्रीय बजट **2024-25** में घोषित इस सुविधा से यूरिया उत्पादन सालाना **12.7** लाख टन तक बढ़ जाएगा, जो मौजूदा **2** लाख मैट्रिक टन क्षमता से बहुत अधिक है। अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके, यह संयंत्र घरेलू उत्पादन को बढ़ाएगा, आयात पर निर्भरता कम करेगा और देश की कृषि-आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगा।

एडवांटेज असम 2.0: एक वैश्विक निवेश केंद्र

- असम सरकार **25-26** फरवरी, **2022** को गुवाहाटी में असम इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड इनवेस्टमेंट समिट **2025,** एडवांटेज असम **2.0** की मेजबानी करने के

लिए तैयार है। यह वैश्विक शिखर सम्मेलन उद्योग, सरकार और थिंक टैंकों के प्रमुख हितधारकों को एकजुट करेगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, एयरोस्पेस, पेट्रोकेमिकल्स और एमएसएमई जैसे क्षेत्रों में निवेश अवसरों का उत्पन्न करेगा।

- वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए असम पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और अन्य कैबिनेट सदस्यों के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय रोड शो के माध्यम से, असम ने दक्षिण कोरिया, जापान, यूएई, यूके, थाईलैंड और मलेशिया के साथ अच्छा संबंध बनाया। इसके फलस्वरूप, असम में सेमीकंडक्टर, आईटी, विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यटन जैसे क्षेत्र को मजबूती मिली है।

बेहतर भविष्य की ओर असम

- **25** फरवरी, **2025** को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा एडवांटेज असम **2.0** शिखर सम्मेलन का उद्घाटन

किया जाएगा, जहां उच्च स्तरीय मंत्रिस्तरीय सत्र, ओद्यौगिक चर्चाएं और क्षेत्र-विशिष्ट ब्रेकआउट सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस शिखर सम्मेलन में बांस और टिकाऊ कटाई, सुगंध और स्वाद उद्योग, एमएसएमई, किसान उत्पादक संगठन और महिला स्वयं सहायता समूहों में असम की क्षमता पर भी प्रकाश डाला जाएगा।

- प्रगतिशील नीति, रणनीतिक स्थान और निवेश-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र के साथ, असम भारत में औद्योगिक परिवर्तन लाने और अपने आप को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार है।
- वर्ष **2024-25** असम के लिए काफी महत्वपूर्ण रहा। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण दो महत्वपूर्ण उपलब्धि हमे मिली है। असम की समृद्ध सांस्कृतिक और भाषाई विरासत को दर्शाते हुए बंगाली के साथ-साथ असमिया भाषा को ध्रुपदी भाषा के रूप में मान्यता मिलना और चराइदेव मैदाम को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के

रूप में नामित करना हमारे लिए बहुत ही गौरव की बात है। इन उपलब्धियों को राज्य की पहचान तथा विरासत में स्थायी योगदान के रूप में याद किया जाएगा।

धुपदी भाषा के रूप में असमिया

- असमिया भाषा का इतिहास प्रागैतिहासिक काल से संबंधित है, जिसका विकास पुरातात्विक खोजों में परिलक्षित होता है। विभिन्न स्रोतो से यह पता चलता हैं कि असमिया भाषा **1,500** साल से भी ज्यादा पुरानी है, जो शास्त्रीय भाषा के रूप में नामित होने के लिए मूलभूत मानदंडों को पूरा करती है।

- अपनी मजबूत ऐतिहासिक और भाषाई प्रमाणन के बावजूद, असमिया को पहले यह प्रतिष्ठित मान्यता नहीं मिली थी। लेकिन, असम सरकार ने अपने दावे को पुष्ट करने के लिए एक व्यापक तकनीकी रिपोर्ट तैयार की है। माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के मजबूत नेतृत्व तथा अथक प्रयासों के कारण माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **3** अक्टूबर, **2024** को चार अन्य भाषाओं के साथ असमिया भाषा को भी आधिकारिक तौर पर ध्रुपदी भाषा का मान्यता प्रदान किया।

- इस घोषणा के बाद असम में जश्न मनाया गया और हर्षोल्लास के साथ इसे स्वागत किया गया। समुदाय, भाषाई समूह, शैक्षणिक संस्थान और सार्वजनिक संगठन सभी उत्साहित हुए। समारोह के हिस्से के रूप में, भाषा के प्रति उत्साही लोगों द्वारा **1,19,141** प्रभावशाली बैठकें आयोजित की गई और इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए आभार व्यक्त करते हुए माननीय प्रधानमंत्री को **2,62,488** व्यक्तिगत पत्र भेजे गए।

चरादेओ मैदाम: संरक्षित और संजोई जाने वाली विरासत

- मोईदाम- मध्ययुगीन अहोम साम्राज्य (असम में लगभग **13**वीं - **19**वीं शताब्दी ई.) की समाधी स्थल है, जो असम राज्य के विभिन्न भागों में स्थित है। लेकिन, आज उनका सबसे बड़ा हिस्सा चराइदेव में मिलता है। यह अहोम शाही समाधि स्थल चराइदेव (या चे-राय-दोई) शहर के दक्षिण में स्थित है, जो

चाओलुंग सिउ-का-फा द्वारा स्थापित असम का पहला राजधानी शहर था। यह मूल रूप से मोंग माओ (शासनकाल **1228 - 1268** ई.) से संबंधित था, जिन्होंने मध्ययुगीन असम में अहोम साम्राज्य की स्थापना की थी। वास्तुकला की दृष्टि से, मैदाम औल्टेड चैंबर (एक चौ-चाली के साथ, एक छोटा अष्टकोणीय संरचना एक कलश के रूप में) हैं, जो पश्चिम में स्थित एक धनुषाकार प्रवेश द्वार के माध्यम से प्रवेश किया जाता है। मृत राजा को यहा समाधि देने के बाद, कक्ष को मिट्टी के ढेर से ढक दिया गया था।

- हमारे लिए यह गर्व की बात है कि नई दिल्ली में **21** से **31** जुलाई **2024** तक आयोजित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति की बैठक के **46**वें सत्र में, **26** जुलाई **2024** को "मोईदाम (अहोम राजवंश की समाधि स्थल), चराइदेव" को भारत की **43**वीं विश्व धरोहर स्थल के रूप में अंकित किया गया। मोईदाम (अहोम राजवंश की समाधि स्थल), चराइदेव को असम की तीसरी विश्व धरोहर स्थल तथा पूर्वोत्तर भारत का पहला सांस्कृतिक विरासत स्थल के रूप में विश्व

धरोहर का मान्यता प्रदान किया गया। जिससे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में एक नया अध्याय शामिल हुआ। यह विश्व धरोहर स्थल असम के साथ-साथ पूर्वोत्तर भारत में एक नया अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में परिचित हुआ।

असम को 2025 के लिए विश्व के शीर्ष 52 पर्यटन स्थलों में चौथा स्थान मिला

- हमारे लिए यह प्रसन्नता की बात है कि, द न्यूयॉर्क टाइम्स ने असम को वर्ष **2025** में **52** वैश्विक पर्यटन स्थलों में से चौथे स्थान पर रखा है। यह प्रतिष्ठित मान्यता हमारे राज्य के मनोरम प्राकृतिक सौन्दर्य, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जैव विविधता को उजागर करती है, जो असम को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में चिन्हित करती है। इस वैश्विक उपलब्धि के साथ, असम अपनी अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हुए, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को समृद्ध करने के लिए तैयार है।

झुमोर नृत्य: असम के 200 साल पुराने चाय जनजाति का उत्सव

- असम सरकार ने रिकॉर्ड तोड़ बिहू नृत्य प्रदर्शन से प्रेरित होकर, अब झुमोर नृत्य को बढ़ावा दे रहा है, जिसे **चाह बागनर झुमुर नाच** के नाम से भी जाना जाता है। यह नृत्य असम की चाय विरासत और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। असम के चाय बागान श्रमिकों की परंपराओं में निहित, झुमोर नृत्य लंबे समय से चाय जनजातियों की खुशी, लचीलापन और एकता की जीवंत अभिव्यक्ति रही है। करम पूजा और तुशु पूजा के दौरान किया जाने वाला यह नृत्य सुंदर चाल, लयबद्ध संरचनाओं और भावपूर्ण संगीत का मंत्रमुग्ध करने वाला एक मिश्रण है, जिसके साथ माडोल और बांसुरी जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्र भी बजाए जाते है।
- असम के चाय उद्योग के **200** साल पूरा होने के उपलक्ष्य में, **24** फरवरी, **2025** को सीरूसजाई स्टेडियम में ऐतिहासिक झुमोर नृत्य प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें चाय बागानों और आदिवासी

समुदायों के **8,000** नर्तकी भाग लेंगे। इस भव्य प्रदर्शन में माननीय प्रधानमंत्री, विभिन्न देशों के राजदूत और वैश्विक औद्योगिक नेता शामिल होंगे, जिससे वैश्विक मंच पर असम की सांस्कृतिक क्षेत्र को और बढ़ावा मिलेगा।

- आज असम का चाय उद्योग अपनी तीसरी शताब्दी में प्रवेश कर रहा है। ऐसे में झुमोर आज भी मजबूती के साथ खड़ा है, जो चाय जनजाति क्षेत्र, वहां के लोगों और उनकी चिरस्थायी परंपराओं का प्रतीक है।

असम में हुए इन महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा करने के बाद, अब मैं अपनी सरकार की कुछ उपलब्धियों पर प्रकाश डालना चाहता हूँ:

ओरुनोदोई: महिला सशक्तिकरण और वित्तीय सुरक्षा

- हमारी सरकार आज राज्य में **24** लाख से अधिक पात्र महिलाओं को **1250** रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। हमने पहले ही ओरुनोदोई **3.0** लॉन्च किया है, जिसके तहत आने वाले वर्षों में लाभार्थियों की संख्या **37** लाख तक बढेगी।

- आप सभी जानते हैं कि इसका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सहायता प्रदान करना है, ताकि उन्हें पोषण और चिकित्सा सहायता मिल सके तथा वे आवश्यक दालें, चीनी, फल, सब्जियां तथा दवाइयां खरीद सकें।
- इस कार्यक्रम की लोकप्रियता देश के कई अन्य राज्यों के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में उभरा है।

उद्योग, कौशल विकास और हथकरघा

- आपको यह जानकर खुशी होगी कि हमारी सरकार ने हाल ही में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिसके तहत "इनोवेशन, इन्क्यूबेशन और स्टार्टअप्स" विभाग का गठन किया गया है - यह देश में अपनी तरीके का पहला विभाग है। यह समर्पित विभाग असम में एक गतिशील उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह हमारे युवाओं की आकांक्षाओं को पहचानता है, जो नवाचार करने, इन्क्यूबेट करने

और उद्यमिता यात्रा शुरू करने के लिए उत्सुक हैं। स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रेरित करने के माध्यम से, यह पहल असम को आर्थिक वृद्धि और विकास के एक नए युग में प्रवेश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

- असम में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने, रोजगार सृजन करने और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है और हमे इसमे महत्वपूर्ण प्रगति मिली है। असम के लोगों ने राज्य के औद्योगिकीकरण के लिए सरकार के दृष्टिकोण के प्रति अटूट समर्थन दिखाया है।
- जैसा कि मैंने पहले ही बताया कि, जगीरोड पर **27,000** करोड़ रुपये की सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण सुविधा से बड़ी संख्या में रोजगार सृजित होने तथा सहायक विनिर्माण को बढ़ावा मिलने की अवसर उत्पन्न हुआ है। यह हमारे राज्य के आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती प्रदान करेगी। हमने एक एंकर उद्योग के रूप में **TATA OSAT** प्लांट के साथ एक सेमीकंडक्टर विक्रेता लॉजिस्टिक पार्क और

इलेक्ट्रॉनिक सिटी विकसित करने की भी रणनीति तैयार की है।

- इसके अलावा, औद्योगिक विकास को और बढ़ावा देने के लिए राज्य ने **21** मेगा औद्योगिक इकाइयों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया, जबकि कैबिनेट ने **7** अतिरिक्त इकाइयों के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं से **14,808** करोड़ रुपये का निवेश मिलेगा और **21,000** से अधिक नौकरियां उत्पन्न होंगे।
- गुवाहाटी के बेतकुची में **298** करोड़ रुपये की लागत से यूनिटी मॉल की स्थापना एक महत्वपूर्ण पहल है। इस मॉल में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) और जीआई-टैग वाले उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को समर्थन मिलने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलेगा।
- वर्ष **2023** में शुरू किया गया मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभियान (**CMAAA)** ने **1,00,000** से लेकर **2,50,000** तक के अनुदान के माध्यम से **25,000**

से अधिक युवाओं को सहातया प्रदान की, जिससे स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिला। हमारे निष्ठावान सीएम फेलो, उद्यमशीलता के विचारों को आगे बढ़ाने और हितधारक सहयोग को मजबूत करने के लिए जिलों में काम कर रहा है।

- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत एक लाख से अधिक पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को कौशल विकास और वित्तीय सहायता के लिए नामांकित किया गया। लगभग **61000** लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया गया, और उद्यमशीलता विकास को बढ़ावा देने के लिए **7000** से अधिक ऋण वितरित किया गया।
- नवाचार पर भी ध्यान दिया जा रहा है। असम इंजीनियरिंग कॉलेज और जोरहाट इंजीनियरिंग कॉलेज में स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित करने के लिए **5** करोड़ रुपये आवंटित किया गया, जो अगली पीढ़ी के उद्यमियों और नवप्रवर्तकों के लिए लाभदायक होगा।

- असम की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई (**MSME**) उद्यम तेजी से आगे बढ़ रहा है। उद्यम पोर्टल के तहत **6.6** लाख से अधिक पंजीकरण हुआ है। इसके अलावा, **RAMP** कार्यक्रम ने **25000** से अधिक नए एमएसएमई मालिकों को उनकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित किया है।
- असम में निर्यात क्षेत्र भी में बेहतरीन प्रगति देखी गई है। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद निर्यात में **3,600** करोड़ रुपये की उपलब्धि हासिल हुई है। चाय, रेशम, कार्बी आंगलोंग अदरक और असम के नींबू जैसे जीआई-टैग वाला उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिल रहा है। पर्यावरण के अनुकूल उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए, बांस मिशन ने **10** जिलों में जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें **400** बीघा में नए बागान लगाए गए हैं और **200** टूलकिट वितरित किए गए हैं।
- राजस्व संग्रह का एक मुख्य स्रोत खनन क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। इस वर्ष **3,815** करोड़ रुपये से अधिक

का संग्रह हुआ है। ग्रेनाइट की नीलामी ने लगभग **362** करोड़ रुपये का योगदान दिया, जबकि चूना पत्थर और कोयले की खोज से सालाना **1,000** करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त, खनन प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवा और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए जिला खनिज निधि से **100** करोड़ रुपये से अधिक का उपयोग किया गया है।

- व्यावसाय करने में आसानी को बेहतर बनाने के हमारे प्रयासों ने असम को भारत सरकार के **DPIIT** द्वारा व्यापार सुधार कार्य योजना में शीर्ष प्राप्तकर्ताओं में शामिल किया है, जिसमें **99%** की उल्लेखनीय आवेदन प्रसंस्करण दर है। यह व्यवसायों को समर्थन देने के लिए हमारी दक्षता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- सरकार मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान जैसी पहलों के माध्यम से कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है, जिससे **39** लाख महिलाओं को ग्रामीण उद्यमी के रूप में सशक्त बनाया जा रहा है।

- टाटा टेक्नोलॉजीज और एलएंडटी के साथ साझेदारी के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार किया गया है, जिसमें **44** सरकारी आईटीआई और **80** निजी आईटीआई में **30,000** सीटें उपलब्ध हैं। सौर ऊर्जा और व्यावसायिक प्रशिक्षण में ध्यान केन्द्रित किया गया है, जिससे कौशल और रोजगार क्षमता को और बढ़ावा मिला है।
- यह उपलब्धियाँ निवेश, नवाचार और सतत विकास के केंद्र के रूप में असम की स्थिति की पुष्टि करती हैं। हम अपने राज्य के लोगों के लिए एक लचीला और समृद्ध औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए समर्पित है।

कृषि, **सहकारिता एवं संबद्ध क्षेत्र:**

- मुझे कृषि क्षेत्र में हमारे राज्य द्वारा की गई महत्वपूर्ण प्रगति के बारे में बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है, जो हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएमकिसान) के तहत, वर्ष **2024** में लगभग **1,374** करोड़ रुपये वितरित किया गया, जिससे **18**

लाख से अधिक किसान लाभान्वित हुए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) में किसान आवेदनों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। रबी-**2023-24** के दौरान लगभग **4** लाख आवेदन और खरीफ **2024** के दौरान **7.8** लाख आवेदन प्राप्त हुआ। **YES-TECH** पहल और **WINDS** प्रणाली फसल उपज अनुमानों और मौसम संबंधी आंकड़ों की सटीकता को और बढ़ाएगी।

- फसल विविधीकरण और क्षेत्र विस्तार में हमारे प्रयास फलदायी रहा है। इस क्षेत्र में, रबी **2024-25** के दौरान सरसों की खेती लगभग **2.16** लाख हेक्टेयर और दलहन की खेती लगभग **70,000** हेक्टेयर में की गई। हमारा लक्ष्य खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना है, जिसका लक्ष्य **2025-26** तक लगभग **2** लाख मीट्रिक टन है।
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड पहल ने **2024** में लगभग **6** लाख कार्ड बनाने वाले किसानों की मिट्टी की गुणवत्ता की जांच करने में मदद की है। हमने **26** अत्याधुनिक मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं के निर्माण

तथा नवीनीकरण में **30** करोड़ रुपये का निवेश किया है। कृषि मशीनीकरण पर हमारे फोकस ने **887** ट्रैक्टर, **7,400** से अधिक पावर-टिलर और विभिन्न अन्य मशीनरी प्रदान की है, जिससे कृषि बिजली की उपलब्धता लगभग **0.82** किलोवाट/हेक्टेयर तक बढ़ गई है।

- सरकार किसानों की सहायता करने और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए मिट्टी, पानी और वनस्पति के संरक्षण और सतत प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध है। प्राथमिकता विकास कार्यक्रमों के तहत **1,350** करोड़ रुपये के निवेश से वर्ष **2024-25** में लगभग **6,100** हेक्टेयर वर्षा आधारित कृषि भूमि विकसित की गई है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और आजीविका गतिविधियों में महत्वपूर्ण प्रगति के साथ मिट्टी और नमी संरक्षण को संबोधित करती है, जिससे वर्ष **2023-24** में लगभग **10,000** हेक्टेयर सहित **8.8** लाख हेक्टेयर से अधिक सिंचाई क्षमता उत्पन्न हुआ है। अतिरिक्त **7,600** हेक्टेयर को लक्षित करते हुए नौ सतही लघु सिंचाई योजनाएँ कार्यान्वित की जा रही है। बुरोई

और पुथिमारी जैसी सिंचाई परियोजना तथा बराक घाटी में अन्य चार परियोजनाओं का लक्ष्य है लगभग 75,000 हेक्टेयर क्षमता उत्पन्न करना। टिकाऊ प्रथाओं में सहायता के लिए सौर ऊर्जा चालित मोबाइल लिफ्ट सिंचाई योजनाएं और कार्ट-माउंटेड सौर पंप जैसे नवोन्मेषी समाधान प्रक्रिया प्रस्तुत किया गया हैं। इससे सैकड़ों हेक्टेयर कृषि भूमि को लाभ हुआ है। जल निकायों की मरम्मत के लिए 85 प्रस्ताव स्वीकृति के अधीन हैं, जिनका लक्ष्य 7,500 हेक्टेयर है।

- राज्य कृषि प्रबंधन और विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (एसएएमईटीआई) द्वारा शैक्षिक पहलों ने हजारों किसानों और विस्तार कर्मियों को लाभान्वित किया है। धान के किसानों के लिए, सरकार ने इस सीजन में **5.85** लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा है, जिसे चावल मिलों, गोदामों और फोर्टिफाइड राइस कर्नेल मशीनों द्वारा समर्थित किया गया। सरसों और धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (**MSP)** ने किसानों की उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित किया है।

- हमारी सरकार स्थायी कृषि-पारिस्थितिकी संतुलन के लिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है, जिसके तहत लगभग **10,000** हेक्टेयर भूमि को प्राकृतिक खेती के अंतर्गत लाया गया। बुनियादी ढांचे के विकास के अंतर्गत **73** ग्रामीण कृषि बाजारों, कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं तथा दरंगगिरी में केले के बाजार का विकास आदि शामिल है। हमारे कृषि निर्यात नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है हैं। तेजपुर लीची, डोलिचोस बीन, जैविक काला चावल, असम नींबू और विभिन्न अन्य जैविक उत्पादों जैसे उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात किया जा रहा है।
- असम में मत्स्य पालन क्षेत्र **2.5** मिलियन से अधिक मछुआरों को आजीविका प्रदान करता है। **2019-20** से मछली उत्पादन में **27%** की वृद्धि हुई है, जो **2023-24** में **4.74** लाख मीट्रिक टन तक पहुँचा है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (**PMMSY), APART** और **NABARD** सहायता प्राप्त **RIDF** जैसी सरकारी योजनाएँ उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों की आय को दोगुना करने पर ध्यान केंद्रित करती है। इन योजनाओं के तहत, सालाना **21,000**

मछुआरों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं का लक्ष्य **1,500** मिलियन फ्राई और **5,000** मीट्रिक टन टेबल फिश का उत्पादन बढ़ाना है। रीसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (**RAS)** और बायो-फ्लोक इकाइयों जैसी नवीन प्रणालियों ने उत्पादन को बढ़ाया है।

- घरेलु जानवरों की देखभाल के लिए गुवाहाटी, डिब्रूगढ़ और गोलाघाट में तीन अस्पतालों का निर्माणा किया जा रहा है, जिसका वित्तीय वर्ष **2025-26** तक पूरा करने की लक्ष्य रखा गया है। गोलाघाट, तिनसुकिया, चांगसारी और लखीमपुर में चार मल्टी केयर पशु चिकित्सा अस्पताल निर्माणाधीन है और वित्तीय वर्ष **2025-26** तक पूरा होने की उम्मीद है। शिवसागर में **5**वें मल्टी केयर पशु चिकित्सा अस्पताल का काम जल्द ही शुरू किया जाएगा।
- डेयरी किसानों की लाभप्रदता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए हमारी सरकार डेयरी किसानों को प्रति लीटर दूध पर **5** रुपये का अंतर समर्थन प्रदान करने

जा रही है, जो पात्र पंजीकृत डेयरी सहकारी समितियों को दूध उपलब्ध करा रही है।

- वित्तीय वर्ष **2022-23** में, हमारी सरकार ने लिंग-विभेदित वीर्य (**sex-sorted semen**) की **1.16** लाख खुराकें खरीदीं, जिनसे लगभग **50,000** मादा बछड़े पैदा होने की उम्मीद है। वित्तीय वर्ष **2023-24** में लिंग-विभेदित वीर्य (**sex-sorted semen**) की **1.00** लाख खुराकों का उपयोग किया गया।

- दूध उत्पादन और संगठित दूध विपणन को पुनर्जीवित करने हेतु तथा एक संयुक्त उद्यम कंपनी, नॉर्थ ईस्ट डेयरी एंड फूड्स लिमिटेड (एनईडीएफएल) को शामिल करने के लिए हमारी सरकार ने एनडीडीबी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस योजना के तहत प्रतिदिन **10** लाख लीटर दूध को संसाधित और विपणन करने की परिकल्पना की गई है। लक्ष्य प्राप्ति के लिए, आरआईडीएफ से **50** करोड़ रुपये की राशि प्राप्त कर जोरहाट और डिब्रूगढ़ में **1.0** लाख लीटर प्रतिदिन

क्षमता के दो दूध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किया जाएगा।

- दूध को स्रोत पर ही प्राप्त करने के लिए, धेमाजी में **5000** लीटर प्रतिदिन प्रसंस्करण क्षमता वाले दूध प्रसंस्करण संयंत्र को **WAMUL (**पश्चिम असम दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड) के सहयोग से चालू किया जाएगा। इसी प्रकार, खानपारा में **5000** लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले दूध प्रसंस्करण संयंत्र शुरू की जाएगी। इस पहल से लगभग **2000** किसानों को कवर करते हुए असंगठित क्षेत्र से संगठित क्षेत्र तक लगभग **10000** लीटर दूध उत्पादन की उम्मीद है।

खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक सेवा वितरण

- असम सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (**NFSA), 2013** को लागू किया, जिससे **67** लाख परिवारों के **2.29** करोड़ लोग लाभान्वित हुए। इसमें **6.7** लाख अंत्योदय अन्न योजना (**AAY)** और **60** लाख प्राथमिकता वाले परिवार (**PHH)** शामिल है। **AAY** परिवारों को हर महीने **35** किलो चावल मिलता है, और **PHH** परिवारों को प्रति सदस्य **5** किलो

चावल मिलता है, जो मुफ़्त हैं। दिसंबर **2024** में, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (**PMGKAY)** के तहत **1.27** लाख मीट्रिक टन चावल वितरित किया गया। वृद्धा श्रम, अनाथालयों और **eSHRAM** पंजीकरणकर्ताओं सहित कमजोर समूहों को राशन कार्ड जारी किया गया है। **20** लाख नए लाभार्थियों को अब मुफ़्त स्वास्थ्य बीमा, **LPG** कनेक्शन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

- अन्न सेवा दिवस जैसी पहल हर महीने की 1 से **10** तारीख तक मासिक चावल वितरण सुनिश्चित करने के लिए मनाई जाती है, जबकि वन नेशन वन राशन कार्ड (**ONORC)** योजना देश भर में लागु होती है। आधार सीडिंग और ई-केवाईसी के माध्यम से पारदर्शिता में सुधार हुआ है। **5,600** से अधिक "आमार दुकान" आउटलेट सस्ती आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करती हैं, और **50.97** लाख एलपीजी कनेक्शन प्रदान किया गया है। ये उपाय खाद्य सुरक्षा, पारदर्शिता और किसान समर्थन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

- मार्च **2024** में स्थापित असम राज्य लोक सेवा अधिकार आयोग, सार्वजनिक सेवा वितरण तंत्र को मजबूत करता है। राज्य ने **CPGRAMS** के माध्यम से शिकायत निवारण में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसने राष्ट्रीय औसत को पार करते हुए **60%** गुणवत्तापूर्ण निपटान हासिल किया है। कृतज्ञता पहल निर्बाध पेंशन प्रसंस्करण सुनिश्चित करती है, और जीवन प्रमाण पहल पेंशनभोगियों के लिए बायोमेट्रिक डिजिटल जीवन प्रमाणीकरण प्रदान करती है, जिससे आवश्यक सेवाओं तक उनकी पहुँच आसान हो जाती है।
- प्रशासनिक दक्षता और नागरिक-केंद्रित शासन को बढ़ाने के लिए, सरकार ने **4** अक्टूबर, **2024** को **39** सह-जिलों का संचालन किया और उनकी सीमाओं को विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के साथ समायोजित किया।
- विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए राज्य के

सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार- असम बैभव, असम सौरभ और असम गौरव प्रदान की जाती है। पिछले वर्ष असम बैभव पुरस्कार श्री रंजन गोगोई को दिया गया था और अपने क्षेत्र में क्रमशः **4** और **17** व्यक्तियों को असम सौरभ और असम गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

ग्रामीण विकास, **पेयजल एवं स्वच्छता**

- हमारी सरकार ग्रामीण असम के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका ध्यान बुनियादी ढांचे में सुधार, कृषि विकास और ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत, असम में **19.5** लाख से अधिक पक्के घर पूरे हो चुके है, साथ ही पीएमएवाई-जी **2.0** के तहत लगभग **1.7** लाख घरों का अतिरिक्त लक्ष्य रखा गया है। **2024** में **5.5** लाख से अधिक लाभार्थियों के लिए गृह प्रवेश समारोह आयोजित किया गया, जो "सभी के लिए आवास" प्राप्त करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

- **2018-19** में शुरू की गई असम आदर्शों ग्राम योजना ग्रामीण असम में आत्मनिर्भर विकास को बढ़ावा देती है, जिसके लिए वित्तीय वर्ष **2024-25** के लिए **3,000** लाख रुपये आवंटित किया गया। असम दर्शन योजना के तहत, धार्मिक स्थलों पर बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए वित्तीय वर्ष **2024-25** के लिए **10,000** लाख रुपये निर्धारित किया गया, जिसमें **694** नामघरों के लिए **2,119** लाख रुपये मंजूर की गई। इसके अतिरिक्त, विधायक क्षेत्र विकास योजना स्थानीय विकास को सशक्त बनाती है। इसके तहत प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए **1** करोड़ रुपये आवंटित किया गया हैं, जो वित्तीय वर्ष **2024-25** के लिए **126** करोड़ रुपये है।
- जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन प्रदान करना है, जिससे प्रति व्यक्ति प्रति दिन **55** लीटर सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित हो सके। इसमे, असम ने उल्लेखनीय प्रगति की है। मिशन के तहत, वर्ष **2019** में कवरेज **1.6%** से बढ़कर **81%** से अधिक

हुई है, जिससे लगभग **58** लाख परिवार लाभान्वित हुए। **15,000** से अधिक पाइप जलापूर्ति योजनाएँ पूरा हो चुका हैं, जिनका परिचालन प्रबंधन स्थानीय निकायों को दिया गया। जल दूत पहल ने **40,000** से अधिक छात्रों को जल राजदूत के रूप में प्रशिक्षित किया गया, जिससे सामुदायिक स्वामित्व और जिम्मेदारी को बढ़ावा मिला है। जल प्रबंधन में उत्कृष्ट योगदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जल संघ पुरस्कार **2024** में असम के प्रयासों को कांस्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

शहरी विकास

- शहरी विकास में सरकार ने उल्लेखनीय प्रगति की है। नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए स्थिरता, किफायती आवास और बेहतर बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया है। भवन निर्माण उपनियमों में संशोधन जैसी पहलों का उद्देश्य ऊर्ध्वाधर विस्तार को प्रोत्साहित करके, फ्लैटेड उद्योगों को शुरू करके और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी ऊर्जा-कुशल प्रथाओं को एकीकृत

करके औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना है। नागरिकों के लिए सुविधा सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री सहज गृह निर्माण असोनी के तहत **9,000** से अधिक भवन निर्माण की अनुमति दी गई है।

- ब्रह्मपुत्र रिवरफ्रंट सौंदर्यीकरण परियोजना के तहत गुवाहाटी के पानबाजार में पुराने सीपी बंगले को **69.85** करोड़ रुपये की लागत से अपग्रेड किया गया है। **20** जनवरी, **2024** को माननीय केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी द्वारा इसका उद्घाटन किया गया। यह अब स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए एक आकर्षण का केन्द्र है। शहरी विकास के बीच हरियाली प्रदान करने के लिए, जीएमडीए ने गुवाहाटी के बोरबारी पहाड़ी पर शहरी वन के निर्माण के लिए एक पायलट परियोजना शुरू की। इसके अलावा, विभिन्न पार्कों का विकास प्रगति पर है, जैसे कि भारलुमुख में तरुण राम फूकन पार्क, सिलपुखुरी पार्क, गीता मंदिर परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों का सौंदर्यीकरण और चांदमारी के निजारापार में डॉ. भूपेन हजारिका स्मारक पार्क

आदि। गुवाहाटी में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं ने गांधी मंडप और जज फील्ड जैसी जगहों का कायाकल्प किया है, साथ ही सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में भी सुधार किया गया है।

- शहर में बाढ़ को कम करने के लिए, **166** करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली बाहिनी बेसिन परियोजना के प्रस्ताव के साथ एक जीआईएस-आधारित व्यापक **Stormwater Drainage Master** याजना बनाई गई है। साथ ही, राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) के तहत शहर के लिए **200** करोड़ रुपये का एक और प्रस्ताव भारत सरकार को प्रस्तुत किया गया है।
- कचरा प्रबंधन के प्रयासों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, विरासत अपशिष्ट उपचार, तथा गुवाहाटी में चालू खाद और मल-कीचड़ उपचार संयंत्र शामिल है। स्मार्ट लाइटिंग परियोजनाओं ने शहर की सुरक्षा को बढ़ाया है, **20,000** से अधिक लाइटें लगाई गई हैं तथा और भी लगाई जा रही है। हजारों घरों के लिए

पानी के कनेक्शन पर सब्सिडी दी गई है, जिससे संसाधनों तक समान पहुँच को बढ़ावा मिला है।

- अमृत मिशन के तहत, नगांव, सिलचर और डिब्रूगढ़ में प्रमुख पेयजल परियोजनाओं को आंशिक रूप से चालू किया गया है, जिससे हजारों घरों को पीने योग्य पानी उपलब्ध कराया जा सके। **JICA** द्वारा सहायता प्राप्त गुवाहाटी जल आपूर्ति परियोजना लगभग **93%** पूरा हो चुका है और **2025** तक एक लाख से अधिक घरों को इससे लाभ मिलेगा।
- आवास पहल ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। **PMAY(U)** के तहत **1.14** लाख से अधिक घर पूरा हो चुका है। हजारों लोगों को शहरी आवास की जरूरतों के लिए वित्तीय सहायता मिल रही है। स्ट्रीट वेंडर्स को **PM SVANidhi** के माध्यम से **250** करोड़ रुपये से अधिक का ऋण मिला है, जिससे छोटे व्यवसाय समुह लाभान्वित हुए है।

स्वास्थ्य क्षेत्र

- मुझे अपनी सरकार द्वारा किए गए उल्लेखनीय प्रयास को आपके साथ साझा करते हुए खुशी हो रही

है। स्वास्थ्य क्षेत्र मेंउत्तर लखीमपुर, धुबरी, नंगाव, नलबाड़ी और कोकराझाड़ में मेडिकल कॉलेजों को चालू कर दिया गया है। तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का उद्घाटन पहले ही किया जा चुका है। गुवाहाटी में चिकित्सा के आधारिक संरचना को बढ़ावा देने के लिए, कालापहाड़ में प्रागज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज और जीएमसीएच परिसर में 800 बिस्तरों वाला सामान्य अस्पताल प्रगति पर है। धेमाजी, तामुलपुर, गोलाघाट, बोंगाईगांव, विश्वनाथ, चराईदेव और मोरीगांव में नए मेडिकल कॉलेज आवंटित किए गए हैं और काम जोरों पर चल रहा है, जिसे दिसंबर 2025 के भीतर पूरा करने का लक्ष्य है । शिवसागर और करीमगंज में मेडिकल कॉलेज आवंटित किए गए हैं और काम अभी शुरू हुआ है। गोवालपारा और दरंग में 2 नए मेडिकल कॉलेज भी शुरू किए गए हैं।

- मौजूदा 6 मेडिकल कॉलेजों में सुपर-स्पेशियलिटी विंग की स्थापना के लिए JICA वित्त पोषण के तहत परियोजनाओं को मजबूत करने का काम शुरू किया गया है। गुवाहाटी के लिए एक प्रोटॉन थेरेपी केंद्र

प्रस्तावित किया गया है, जो अपोलो और टाटा चिकित्सा केंद्रों के बाद भारत में इस तरह की तीसरी सुविधा होगी। यह केन्द्र राज्य के लिए कैंसर देखभाल में एक और मील का पत्थर होगा। दिफू में कैंसर अस्पताल मार्च 2025 तक चालू होने वाला है, जिससे राज्य के कैंसर उपचार के बुनियादी ढांचे को और मजबूती मिलेगी।

- राज्य में नर्सिंग शिक्षा में सुधार के लिए, राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत राज्य के विभिन्न स्थानों पर 6 नए आयुष अस्पताल और 2 आयुर्वेदिक कॉलेजों के निर्माण की योजना है। इसके अलावा, राज्य के विभिन्न स्थानों पर मौजूदा नर्सिंग कॉलेज को अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे में अपग्रेड करना एवं 7 नए नर्सिंग कॉलेजों के निर्माण की योजनाएं शुरू की गई हैं। विभिन्न जिलों में 5 आयुष अस्पताल और दुधनोई में 1 आयुर्वेदिक कॉलेज पहले ही शुरू किए जा चुके है। संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए 26 संसाधनों का निर्माण वित्तीय वर्ष 2025-26 तक एनएचएम (पीएम-एबीएचआईएम) के तहत आपातकालीन, सर्जिकल और गहन

देखभाल के साथ 50 या 100 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर अस्पताल ब्लॉक का भी प्रस्ताव किया गया है और ऐसे पांच 50 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर अस्पताल ब्लॉक का काम शुरू किया गया है।

- असम ने एबी-पीएमजेएवाई और एए-एमएमजेएवाई योजनाओं के तहत कैशलेस उपचार प्राप्त करने वाले 12 लाख से अधिक लाभार्थियों के साथ स्वास्थ्य बीमा में उल्लेखनीय प्रगति की है। 37 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए हैं और 1,321 करोड़ रुपये के दावों का निपटारा किया गया है। सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को भी आयुष्मान असम-मुख्यमंत्री लोक सेवक आरोग्य योजना का लाभ मिलता है।
- असम कैंसर केयर फाउंडेशन ने टाटा ट्रस्ट के साथ साझेदारी में सात कैंसर देखभाल अस्पतालों का संचालन किया है, जिनमें से दो का हाल ही में उद्घाटन किया गया है और कई निर्माणाधीन हैं। व्यापक कैंसर जांच कार्यक्रम पाँच लाख से अधिक लाभार्थियों तक पहुँच चुके हैं और रोगियों की

सहायता के लिए समुदाय आधारित उपशामक देखभाल शुरू की गई है।

- ये परिवर्तनकारी प्रयास स्वास्थ्य सेवाओं को आगे बढ़ाने, समान पहुंच सुनिश्चित करने और सभी के लिए एक स्वस्थ असम के निर्माण के लिए मेरी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

शिक्षा क्षेत्र

- शिक्षा सशक्तिकरण को बढ़ावा देती है, और हमारी सरकार सभी पिछड़े, आर्थिक रूप से कमजोर, वंचित समुदायों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास तक बढ़ी हुई पहुंच के माध्यम से चाय जनजाति समुदाय के लिए शिक्षा ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। चाय बागान क्षेत्रों में 118 मॉडल हाई स्कूलों को अब तक चालू कर दिया गया है। चाय बागान क्षेत्रों में 100 और आदर्श माध्यमिक विद्यालय प्रस्तावित हैं जिनमें से 93 विद्यालयों के लिए कार्य आवंटित किया गया है।

- ग्यारह (11) नए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय खोले गए हैं और आदर्श विद्यालयों के आधुनिकीकरण में पर्याप्त प्रगति हुई है।
- पीएम श्री योजना 379 स्कूलों में लागू की गई है, जिससे छात्रों को बेहतर सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।
- मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारी सरकार इस प्रतिष्ठित सदन के समक्ष एक कानून लाने का प्रयास कर रही है,जो वर्ष 2006 में जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने वाले स्कूलों को प्रांतीय बनाने का काम करेगा । यह उन लोगों की मदद करेगा जो सबसे अधिक हकदार हैं ताकि राज्य में प्राथमिक शिक्षा प्रणाली को और मजबूत किया जा सके।
- पीएम पोषण के तहत, 31.75 लाख बच्चों को पौष्टिक भोजन प्राप्त हुआ है, और एक विशेष पहल के तहत चाय बागान और चार क्षेत्रों के 4.5 लाख से अधिक छात्रों के लिए साप्ताहिक अतिरिक्त अंडे सुनिश्चित किए गए हैं। समावेशी कार्यक्रमों ने

परिवहन भत्ते, छात्रवृत्तियाँ और शिक्षण सामग्री के माध्यम से विशेष जरूरतों वाले बच्चों की सहायता की है।

- सरकार अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में 9 महिला महाविद्यालय और 21 आदर्श आवासीय विद्यालय स्थापित करने जा रहे हैं।
- 7 नए विश्वविद्यालय निर्माण के चरण में हैं और 2025 तक पूरे हो जाएंगे। विश्वविद्यालयों में अपग्रेड किए जाने वाले 8 में से 5 कॉलेजों के लिए आवंटन प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने वाली है और शेष डीपीआर तैयारी प्रक्रिया में हैं।
- प्रत्येक एलएसी में 126 माध्यमिक विद्यालयों के बुनियादी ढांचे का विकास किया गया है।
- अकादमिक उत्कृष्टता के लिए 35,770 छात्रों को स्कूटर वितरित किए गए हैं, जबकि शुल्क माफी और छात्रवृत्ति से लगभग 95,000 छात्रों को लाभ हुआ है।
- मुख्यमंत्री निजूत मइना आचनी कार्यक्रम के तहत 1.66 लाख छात्राओं को मासिक वित्तीय सहायता

मिली है, जो समावेशी शिक्षा के प्रति मेरी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

- पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की एनईएसआईडी योजना के तहत विभिन्न जिलों में 115 और स्कूलों को शुरू किया गया है, जिनमें से 50 स्कूलों के लिए काम आवंटित किया गया है। पीएम-डिवाइन योजना के तहत 20 एचएस स्कूलों को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में बदलने का काम प्रगति पर है।
- असम के विभिन्न स्थानों पर दस लॉ कॉलेज प्रगति पर हैं, इनमें से दो रंगिया और तेजपुर में पहले ही उद्घाटन किए जा चुके हैं।
- तिताबर में एक रेशम उत्पादन महाविद्यालय भी शुरू किया गया है और इसके लिए काम शुरू किया गया है। 15 सरकारी मॉडल डिग्री कॉलेज शुरू किए गए हैं और ऐसे 4 कॉलेज निर्माण के चरण में हैं और इन्हें मार्च, 2026 के भीतर पूरा करने का लक्ष्य है।
- शुआलकुची, बिहाली, बोंगाईगांव, सामगुरी, नलबारी और उदालगुड़ी में छह नए इंजीनियरिंग कॉलेज प्रगति पर हैं और पूरा होने के कगार पर हैं।

- टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के सहयोग से 34 पॉलिटेक्निक और 43 आईटीआई को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में अपग्रेड करने का प्रस्ताव किया गया है, जिनमें से 22 पॉलिटेक्निकऔर 39 आईटीआई का उन्नयन प्रगति पर है।
- छात्र कल्याण एक प्राथमिकता बनी हुई है, जिसमें 44.56 लाख छात्रों को मुफ्त वर्दी और 3.23 लाख छात्रों को साइकिल प्रदान की गई है।
- एचएसएलसी में 75% से अधिक स्कोर करने वाले 26,900 से अधिक छात्रों को आनंदराम बरूआ नकद पुरस्कार के तहत प्रत्येक को 12,500 रुपये दिए जाते हैं।
- द्विभाषी पाठ्यपुस्तकें और बहुभाषी शिक्षण सामग्री के समावेशिता और सुलभता को बढ़ावा दे रही हैं।
- मेरी सरकार का ध्यान छात्रवृत्ति पहुंच, कौशल, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और विज्ञान तथा गणित की द्विभाषी पाठ्यपुस्तकों को और अधिक कक्षाओं तक बढ़ाने पर है। इन प्रयासों के माध्यम से, असम एक प्रगतिशील, न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा

प्रणाली का निर्माण कर रहा है, जो प्रत्येक छात्र को ज्ञान, कौशल और समग्र विकास के लिए अवसर प्रदान कर रहा है।

सड़क तथा अंतर्देशीय जल परिवहन और राजमार्ग

- मुख्यमंत्री के नेतृत्व में, असम के राजमार्ग नेटवर्क में उल्लेखनीय विकास हुआ है, जिसमें 4000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग राज्य से गुजरते हैं। इसमें से 1,858 किलोमीटर असम लोक निर्माण के अधिकार क्षेत्र में आता है, जबकि अन्य का प्रबंधन एनएचएआई, एनएचआईडीसीएल और अन्य एजेंसियों द्वारा किया जाता है। सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए, दुर्घटना अवरोध, सड़क संकेत और गति को शांत करने वाले प्रतिष्ठानों जैसे उपाय किए गए हैं।
- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा स्वीकृत महत्वपूर्ण परियोजनाओं में माजुली ब्रिज अप्रोच रोड और गौरीपुर बाईपास शामिल हैं, जिनका कुल आवंटन लगभग 1000 करोड़ रुपये है। 2024-25 के लिए 8,055 करोड़ की वार्षिक योजना

में NH-715A के दो-लेन निर्माण और NH-127C के उन्नयन जैसी प्रमुख पहल शामिल हैं। रख-रखाव और विशेष मरम्मत को भी प्राथमिकता दी गई है।

- मुख्यमंत्री पाकीपथ निर्माण आचनी योजनाओं के कार्यान्वयन ने 1,694 कि.मी. सड़क कार्य पूरा कर लिया है, जिसमें 5,800 कि.मी. से अधिक प्रगति पर है। नगरीय पकीपथ निर्माण आचनी के तहत शहरी सड़कें और असम रेजिलिएंट रूरल ब्रिज प्रोजेक्ट के तहत ग्रामीण पुल तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ब्रह्मपुत्र पर ऐतिहासिक गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी पुल और पलाशबाड़ी-सुआलकुची पुल पूरा होने वाला है। इसके अलावा, मेरी सरकार पीएमजीएसवाई, असम माला 2.0 और नाबार्ड द्वारा सहायता प्राप्त पहलों के तहत सड़क बुनियादी ढांचे के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे चाय बागान मजदूरों सहित सभी के लिए संपर्क और जीवन की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित किया जा सके।
- माँ कामाख्या कॉरिडोर जैसी परिवर्तनकारी पहलों के लिए पीएम-डिवाइन के तहत 1,400 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए हैं।

- डीलरशिप बिंदुओं पर वाहन पंजीकरण और पारदर्शी सीएम-ट्रांस प्रणाली ने प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया है, जिससे बिचौलियों के हस्तक्षेप को कम किया जा सकता है। वाहन स्क्रैपेज नीति ने पुराने वाहनों को सुरक्षित रूप से हटाने को प्रोत्साहित किया है, जिसमें 6,700 से अधिक वाहन पहले ही स्क्रैप हो चुके हैं, और प्रदूषणकारी वाहनों को हतोत्साहित करने के लिए एक हरित कर लागू किया गया है। इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने, पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए भी प्रोत्साहन प्रदान किए जाते हैं। सुविधा सुनिश्चित करने के लिए 56 संपर्क रहित ऑनलाइन सेवाएं शुरू की गई हैं, जिससे कार्यालयों में जाने की आवश्यकता समाप्त हो गई है।

- अंतर्देशीय जल परिवहन ने रात के नौवहन प्रणालियों, आधुनिक टर्मिनलों और बेड़े के आधुनिकीकरण के साथ प्रमुख उन्नयन देखा है, जिसमें 20 स्टील कैटामारन शामिल हैं। जिबोंडिंगा

योजना ने समुद्री इंजनों से नौकाओं को सुसज्जित किया है, जिससे सुरक्षा और दक्षता में सुधार हुआ है। गुवाहाटी गेटवे घाट टर्मिनल का निर्माण चल रहा है, जो यात्रियों के लिए बेहतर संपर्क और आराम का वादा करता है।

- गुवाहाटी और आसपास के क्षेत्रों में 200 इलेक्ट्रिक बसों के साथ सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बदला जा रहा है, जो नए चार्जिंग बुनियादी ढांचे द्वारा समर्थित है। फिटनेस प्रमाणन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए वाहनों के लिए स्वचालित परीक्षण केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

सुनिश्चित विद्युत आपूर्ति और विद्युत अवसंरचना निवेश की प्रगति

- असम के बिजली क्षेत्र में सभी तीन राज्य उपयोगिताओं-असम जेनको (एपीजीसीएल) असम ट्रांसको (एईजीसीएल) और असम डिस्कॉम (एपीडीसीएल)-के साथ महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है, जिसमें लाभ और लगभग 20,000 करोड़ रुपये की सामूहिक निवल संपत्ति है। एपीडीसीएल ने पिछले

तीन वर्षों से लगभग 24 घंटे बिजली की आपूर्ति बनाए रखी है।

- सरकार ने इस क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए लगभग 30,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिसमें 200 से अधिक सबस्टेशन और 17,000 किलोमीटर बिजली लाइनों का निर्माण किया गया है। असम इंट्रा स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम एनहांसमेंट प्रोजेक्ट के तहत 37 नए ग्रिड सबस्टेशनों के साथ ट्रांसमिशन क्षमता को 4,500 एमवीए से बढ़ाकर 15,000 एमवीए किया जा रहा है, जिससे राज्य 2026-27 तक 4,272 मेगावाट लोड का प्रबंधन कर सकता है और ट्रांसमिशन नुकसान को 3% से कम कर सकता है। बिजली उत्पादन में प्रगति में 120 मेगावाट की लोअर कोपिली हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट शामिल है, जो जून 2025 तक चालू हो जाएगी और 25 मेगावाट की नामरूप सौर ऊर्जा परियोजना शामिल है। हरित ऊर्जा के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता में 6,500 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की योजनाएँ शामिल हैं।

बड़े पैमाने पर वनीकरण, संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा:

- असम सरकार ने पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करते हुए, असम वृक्ष आंदोलन, 2024 की शुरुआत की, जिसमें राज्य भर में वाणिज्यिक वृक्ष प्रजातियों के 3 करोड़ से अधिक पौधे सफलतापूर्वक लगाए गए। यह परिवर्तनकारी पहल स्थानीय समुदायों, किसानों, स्वयं सहायता समूहों, गैर सरकारी संगठनों और विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी के साथ की गई थी। इस सफलता के आधार पर, सरकार ने आगामी असम ब्वृक्ष आंदोलन, 2025 के लिए राज्य भर में 6.5 करोड़ पौधे लगाने का प्रस्ताव दिया है।
- असम राज्यिक चिड़ियाघर को आधुनिक बनाने और बढ़ाने के लिए, 362 करोड़ रुपये के कुल बजट के साथ एक महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, सरकार डिब्रूगढ़ जिले के नामडांग आरक्षित वन में एक वन्यजीव सफारी सह बचाव केंद्र की स्थापना कर रही है। 150 हेक्टेयर में फैली यह

परियोजना एक प्रमुख वन्यजीव संरक्षण और पर्यटन केंद्र बनने के लिए तैयार है।

- सरकार विशेष रूप से वन से संबंधित आंकड़ों को डिजिटल बनाने के लिए एक जीआईएस-आधारित वन प्रबंधन सूचना प्रणाली (एफएमआईएस) भी विकसित कर रही है। बेहतर निगरानी और निर्णय लेने के लिए वन्यजीव घटना ट्रैकिंग, वृक्षारोपण प्रबंधन प्रणाली की मुख्य विशेषताओं में वनों की कटाई की निगरानी शामिल है, जो एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित चेतावनी तंत्र है जो पेड़ों की कटाई वाले क्षेत्रों की पहचान करने के लिए उपग्रह चित्रों का उपयोग करता है।
- अपशिष्ट प्रबंधन चुनौतियों से निपटने के लिए, बोर्ड टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा दे रहा है,जिसमे तीन सामान्य जैव चिकित्सा अपशिष्ट उपचार सुविधाओं और एक खतरनाक अपशिष्ट उपचार, भंडारण और निपटान सुविधा की स्थापना शामिल है । एक विरासती अपशिष्ट उपचार परियोजना लागू की गई है, और अपशिष्ट को कम करने और स्रोत

पृथक्करण को बढ़ावा देने पर जन जागरूकता अभियान जारी हैं।

- जल निकायों को पुनर्जीवित करने के प्रयासों को भी महत्वपूर्ण परिणाम मिले हैं, जिसमें 35 प्रदूषित नदियों के हिस्सों को कार्य योजनाओं के तहत सफलतापूर्वक बहाल किया गया है।

भूमि राजस्व और आपदा प्रबंधन

- हमारी सरकार ने मिशन बसुंधरा की सफलता से प्रेरित होकर अक्टूबर 2024 में मिशन बसुंधरा 3.0 की शुरुआत की, जिसमें न्यायिक संस्थाओं के लिए भूमि निपटान, भूदान/ग्रामदान भूमि के लिए डिजिटल प्रक्रियाएं, अधिभोग किरायेदारों के लिए शहरी स्वामित्व अधिकार और भूमि पुनर्वर्गीकरण जैसी नई सेवाएं शुरू की गई। यह पहल कुशल भूमि प्रबंधन और अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करती है। इसके अतिरिक्त, ई-खजाना ने भूमि राजस्व भुगतान को सुव्यवस्थित किया है, जिससे नागरिकों को कई प्लेटफार्मों के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान

करने की अनुमति मिली है, जिससे सुविधा और जवाबदेही बढ़ी है।

- फरवरी 2024 से चालू राष्ट्रीय सामान्य दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली (एनजीडीआरएस) ने उपयोगकर्ता के अनुकूल, पारदर्शी और मानकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ संपत्ति पंजीकरण का आधुनिकीकरण किया है। इस पहल ने धोखाधड़ी के जोखिम को बहुत कम कर दिया है और नागरिकों और अधिकारियों के लिए समान रूप से प्रक्रियाओं को सरल बना दिया है।
- बाढ़ राहत, पुनर्वास और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की बहाली के लिए 434 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता जारी की गई। फसल के नुकसान, कारीगर सहायता और हिंसा के पीड़ितों के लिए अतिरिक्त सहायता प्रदान की गई थी। ये पहल लचीलापन और कल्याण के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता को उजागर करती हैं।
- बाढ़ और नदी तट का कटाव लंबे समय से असम के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां रही हैं। समर्पित प्रयासों

और नवीन उपायों के माध्यम से, सरकार ने इन मुद्दों को कम करने और लचीलापन बढ़ाने में पर्याप्त प्रगति की है।

- इन वर्षों में, 16.5 लाख हेक्टेयर से अधिक बाढ़-प्रवण भूमि को संरक्षित किया गया है, और 4,500 किलोमीटर से अधिक तटबंध, 1,280 कटाव रोधी कार्य और 667 स्लुइस गेट का निर्माण किया गया है। लगभग 3400 करोड़ रुपये की लागत वाली 2021 और 2024 के बीच हाल की परियोजनाओं ने 440 किलोमीटर से अधिक मौजूदा बांधों को मजबूत किया है, 189 किलोमीटर नए तटबंधों का निर्माण किया है और 217 किलोमीटर कटाव संरक्षण कार्यों को लागू किया है।
- वर्ष 2024 में, उन्नत जियो-ट्यूब तकनीक का उपयोग करते हुए, आठ जिलों में तटबंध टूटने पर तेजी से प्रतिक्रिया ने बाढ़ की क्षति को कम किया। इसके अतिरिक्त, 44 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण बाढ़ से लड़ने वाली सामग्री की खरीद ने तैयारियों में सुधार किया और कमजोरियों को कम किया। विश्व

बैंक द्वारा वित्त पोषित असम एकीकृत नदी बेसिन प्रबंधन कार्यक्रम (4000 करोड़ रुपये) और जलवायु प्रतिरोधी ब्रह्मपुत्र परियोजना (3000 करोड़ रुपये) जैसी प्रमुख पहलें महत्वपूर्ण नदियों और जिलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए बाढ़ और कटाव प्रबंधन के लिए दीर्घकालिक समाधान का लक्ष्य रखती हैं। सक्रिय प्रतिक्रियाओं के लिए वास्तविक समय में बाढ़ पूर्वानुमान और परिसंपत्ति प्रबंधन जैसी उन्नत प्रणालियां विकसित की जा रही हैं।

- 2024-25 के लिए, 319 करोड़ रुपये की 35 नई योजनाएं प्रस्तावित की गई हैं, जिनमें 212 किलोमीटर नए तटबंध शामिल हैं, जो असम को प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।
- मुख्यमंत्री राहत कोष- प्राकृतिक आपदाओं, चिकित्सा आपात स्थितियों, गरीबी और अन्य योग्य मामलों से प्रभावित व्यक्तियों और संस्थानों की सहायता के लिए माननीय मुख्यमंत्री के विवेकाधिकार पर वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

मई 2021 से जनवरी 2024 तक, लगभग 2.8 लाख लाभार्थियों को लगभग 330 करोड़ वितारित किए गए, और 2024-25 में लगभग 31,500 लाभार्थियों का 35 करोड़ रुपये शामिल है।

- आपदाओं, दुर्घटनाओं या संघर्षों के पीड़ितों का समर्थन तथा सांस्कृतिक, शैक्षणिक और खेल उपलब्धियों को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2022-23 में मुख्यमंत्री जन आपातकाल योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत अब तक लगभग 3,100 लाभार्थियों को 38 करोड़ रुपये वितरित किया गया है।

बोडोलेंड प्रादेशिक क्षेत्र कल्याण (बीटीआर) कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद (केएएसी) और उत्तर काछार हिल्स स्वायत्त परिषद (एनसीएचएसी)

- बोड़ोलेण्ड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) ने बुनियादी ढांचे के विकास और कल्याणकारी पहलों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। गुडविल मिशन के तहत, बीटीआर ने 2022-23 से मुख्यमंत्री पथ नबीकरण आचनी

(एमएमपीएनए) योजना के तहत 700 किलोमीटर से अधिक सभी मौसम वाली सड़कों और 400 किलोमीटर सड़कों का काम पूरा कर लिया है। 46 वर्षों से चल रही धनश्री सिंचाई परियोजना के पूरा होने से 75 गाँवों और 32,000 किसान परिवारों को लाभ हुआ है, जिससे अतिरिक्त 16,000+ हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई प्रदान की गई है। इस क्षेत्र को 260 करोड़ रुपये में से 260 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त हुए। 750 करोड़ रुपये के विशेष विकास पैकेज के तहत, शेष राशि अग्रिम अनुमोदन चरणों में है।

- बीटीआर समझौते के अनुसार, 6600 से अधिक पूर्व एनडीएफबी कैडरों को अनुदान के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास प्रदान किया गया है, कैडरों के खिलाफ 274 से अधिक मामले वापस ले लिए गए हैं। समय-समय पर शहीद परिवारों को अनुग्रह राशि प्रदान की जाती है।
- कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद के लिए, 2024-25 में, गांधी पार्क से असम विश्वविद्यालय तक चार लेन की सड़क, टाटा ट्रस्ट के साथ साझेदारी में एक

कैंसर अस्पताल और एक अंतरराज्यीय बस टर्मिनस जैसी पहलों के लिए 600 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। आने वाली परियोजनाओं में अदरक और हल्दी प्रसंस्करण संयंत्र, ग्रामीण पुस्तकालय और आदर्श विद्यालयों के लिए जल आपूर्ति योजनाएं शामिल हैं।

- उत्तर कछार हिल्स स्वायत्त परिषद (एनसीएचएसी) के लिए लंका से उमरांगसो और माहुर से तामेंगलोंग जैसी प्रमुख सड़क परियोजनाओं का उद्देश्य है संपर्को में सुधार लाना। विकास पहलों में मनोरंजन केंद्र, विद्यालय भवन और स्वास्थ्य सेवा में सुधार शामिल हैं। मुफ्त बस सेवाएं, कौशल विकास केंद्र और चिकित्सा मामलों के लिए वित्तीय सहायता जैसी नवीन योजनाएं शुरू की गई हैं।

चाय जनजाति, आदिवासी और जनजातीय कल्याण

- असम की लगभग 17% आबादी चाय जनजाति से है, जो बृहत्तर असमिया समाज का एक अभिन्न अंग हैं। राज्य के सामाजिक विकास में उनका अपार योगदान है। हमारी सरकार ने चाय

जनजातियाँ और आदिवासी समुदाय के भौतिक, बौद्धिक और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं लागू की है। चाय जनजाति और आदिवासी समुदाय के बीच शिक्षा के परिदृश्य को प्रोत्साहित करने और सुधारने के लिए राज्य सरकार विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान कर रही है। यह छात्रवृत्ति न्यूनतम 3,000/- रुपये से लेकर अधिकतम 35,000/- रुपये तक है, जो उनके पाठ्यक्रमों पर निर्भर करता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं जैसे प्री-मैट्रिक/पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, सायमन सिंग होरो विशेष पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति आदि के लिए कुल 67,570 आवेदन प्राप्त हुआ है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग के लिए कुल 55 छात्रों का चयन किया गया है।

- चाय जनजातियों और आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए, हमारी सरकार ने काजीरंगा में "असम चाह

जनगोष्ठिय समन्वय कलाक्षेत्र" के निर्माण का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा, एक महत्वाकांक्षी योजना के तहत 500 "महाप्रभु जगन्नाथ सामुदायिक भवन सह कौशल केंद्र" चाय बागानों में स्थापित किया जा रहा है, जिनकी कुल लागत 750 करोड़ रुपये होगी। प्रत्येक केंद्र 1.5 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण किया जाएगा और इसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कौशल विकास और सामुदायिक गतिविधियों के लिए उपयोग किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग (PWD) के तहत इसका निर्माण कार्य चल रहा है।

- चाय जनजातियों और आदिवासी युवाओं के बीच खेलों को बढ़ावा देना हमारी प्राथमिकता है। रंगापारा (सोनितपुर) और छोटा टिंगराई (तिनसुकिया) में लड़कों के लिए फुटबॉल अकादमी बनाई जा रही हैं, जबकि सोनारी (चराईदेउ) में लड़कियों के लिए आर्चेरी (तीरंदाजी) अकादमी बनाई जा रही है। वर्ष 2023-24 में, युवा प्रतिभाओं के लिए मुख्यमंत्री चाय जनजाति एवं आदिवासी

अंडर-19 फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

- इस समुदाय के लिए आरक्षित मेडिकल सीटों की संख्या 27 से बढ़ाकर 30 की गई है और ओबीसी (OBC) कोटे के तहत राज्य सरकार की तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों में 3% आरक्षण सुनिश्चित किया गया है।

सामाजिक न्याय और अल्पसंख्यक मामलों

- समावेशी विकास और सामाजिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करना सरकार की मुख्य उद्देश्य है। विकलांग व्यक्तियों, वरिष्ठ नागरिकों, ट्रांसजेंडर समुदाय और समाज के हाशिए पर मौजूद वर्गों को सहायता प्रदान करने के लिए कई कल्याणकारी पहल की गई है। साथ ही मादक द्रव्यों के सेवन और आर्थिक असमानता जैसे गंभीर मुद्दों पर भी ध्यान दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रमुख पहलों में शामिल हैं— प्रतिभाशाली अनुसूचित जाति (SC) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के छात्रों को वित्तीय प्रोत्साहन, वार्षिक

आय 2.5 लाख रुपये से कम अभिभावकों की कक्षा I से VIII तक पढ़ रहे SC छात्रों को छात्रवृत्ति, वार्षिक आय 5 लाख रुपये से कम अभिभावकों की SC और OBC छात्रों के लिए आर्थिक सहायता, जो UPSC की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण की है। आय सृजन को बढ़ावा देने के लिए, अनुसूचित जाति के बेरोजगार युवाओं, अनुसूचित जाति की महिलाओं और पहले मैला ढोने के काम करने वाले युवाओं को 168 ग्राफिक डिजाइन इकाइयां, 1,000 सिलाई मशीनें और 32 पिक-अप वैन वितरित की गई हैं।

- सरकार ने विभिन्न समुदायों की सामाजिक-आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक और जातीय उन्नति को बढ़ावा देने के लिए 24 विकास परिषदों का गठन किया है। इन परिषदों के लिए निर्धारित धनराशि का उपयोग उनके उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किया जाता है।
- दिव्यांगजन के जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से उन्हें कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिसके लिए लगभग 3 करोड़

रुपये का प्रावधान किया गया है। चिकित्सा, तकनीकी और उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर रहे दिव्यांग छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान की जा रही है। मानसिक रूप से बीमार और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए संचालित 46 आश्रय गृहों, 3 सरकारी विशेष विद्यालयों और 19 स्वैच्छिक संगठनों द्वारा संचालित विशेष विद्यालयों को अनुदान सहायता प्रदान की जा रही है। सरकारी ब्रेल प्रेस पूर्वोत्तर में नेत्रहीन छात्रों को ब्रेल पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराती है। असम में अब तक 2 लाख से अधिक विशिष्ट विकलांगता पहचान पत्र जारी किया गया है।

- नशीली दवाओं के दुरुपयोग का मुकाबला करने के लिए सरकार कामरूप मेट्रोपॉलिटन, बरपेटा, तिनसुकिया, डिब्रूगढ़, सोनितपुर और गोलाघाट जिलों में छह नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्रों का निर्माण के लिए सहायता की है। इसके अतिरिक्त, वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद और सोनापुर स्थित सरकारी वृद्धाश्रम वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए कार्यरत है।

- 18 वर्ष से अधिक उम्र के 40 व्यक्तियों का रहने की सुविधा के साथ ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए गुवाहाटी में एक आश्रय गृह और कौशल विकास केंद्र है। यहा उन्हें सिलाई, ब्यूटीशियन पाठ्यक्रमों और अन्य प्रशिक्षण प्रदान की जाती है।

स्थानीय जनजाति की संस्कृति और आस्था

- जैसे-जैसे राज्य विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है, अपनी समृद्ध विरासत की संरक्षण के प्रति भी पुरी तरह समर्पित है। मैंने 'चराइदेउ मैदाम' के बारे में उल्लेख की थी। नई दिल्ली में यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र के दौरान प्रदान की गई यह मान्यता पूर्वोत्तर भारत में पहली और देश में 43वीं सांस्कृतिक विश्व धरोहर स्थल है।
- इसके अलावा, सोनितपुर में गुप्तेश्वर देवालय पुरातत्व स्थल पर खुदाई करने के बाद पूर्व-आहोम मंदिर के अवशेष मिला है, जो असम की ऐतिहासिक कथा की पहचान है। सरकार अपने संग्रहालयों के नेटवर्क का भी विस्तार कर रही है।

दखिनपाट सत्र, माजुली में संग्रहालय और दरंग में पथरुघाट स्मारक संग्रहालय पूरा होने के करीब हैं। इसके अतिरिक्त, बरपेटा जिला संग्रहालय के लिए विकास कार्य आगे बढ़ रहा है और भवन का निर्माण का योजना वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बनाई गई है। स्वर्गदेव चाओलुंग सिउ का फा समन्वय क्षेत्र, जोरहाट में असम राज्य संग्रहालय के दूसरे परिसर का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसका शुभारंभ 2025 की शुरुआत में होने की उम्मीद है।

- माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में असम ने अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित और बढ़ावा देने में उल्लेखनीय प्रगति की है। 2024-25 के दौरान 2,300 बिहू समितियों को 1.5 लाख रुपये, 2,063 रास समितियों को 25,000 रुपये और लगभग 8,000 दुर्गा पूजा समितियों को 10,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। बीर लाचित बरफुकन 52-एपिसोड की श्रृंखला बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। फिल्म "चंचिसोआ" (Chanchisoa) को गोवा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म

महोत्सव में प्रदर्शित किया गया, जिससे असम की सिनेमाई प्रतिभा का प्रदर्शन हुआ।

- ज्ञान की पहुंच बढ़ाने के लिए पंचायतों और नगरपालिका वार्डों में 2,597 पुस्तकालयों की स्थापना के प्रयास किए जा रहे हैं। बिष्णु राभा दिवस और मामोनी रोइसोम गोस्वामी जयंती जैसे उल्लेखनीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने असम की कलात्मक और साहित्यिक विरासत को प्रदर्शित करता है।
- महापुरुष श्री श्री माधवदेव के जन्मस्थान लखीमपुर के नारायणपुर में श्री श्री माधवदेव कलाक्षेत्र का निर्माण सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। 10 मई 2023 को इसका उद्घाटन किया गया। बटद्रवा, नगांव में स्थित बटद्रवा थान का विकास भी एक सांस्कृतिक और पर्यटन स्थल के रूप में जल्द ही पूरा होने वाला है।
- शिवसागर में रंग घर का सौंदर्यीकरण और मां कामाख्या मंदिर पहुंच गलियारा परियोजना इसी वर्ष शुरू की गई और इसे 2026 तक पूरा किया

जाएगा। चाय जनजाति समुदाय के लिए असम के 500 चाय बागानों में जगन्नाथ समुदाय और कौशल केंद्र का निर्माण दिसंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

- लाहदोईगढ़ में लाचित बरफूकन की प्रतिमा पूरी हो चुकी है और संग्रहालय, सभागार आदि के शेष कार्य जुलाई, 2025 तक पूरा किया जाएगा। कामरूप के पचरिया में ऐतिहासिक आलाबोई रणक्षेत्र में 100 फीट लंबा "हैंग-डांग" की निर्माण कार्य चल रहा है, जो 2025 के भीतर पूरा होगा।
- सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए करीमगंज जिले के शहर का नाम बदलकर श्रीभूमि जिला और श्रीभूमि शहर किया गया है, जबकि होजाई जिले के मुख्यालय का नाम बदलकर श्रीमंत शंकरदेव नगर किया गया है।

खेल और युवा कल्याण क्षेत्र

- राज्य भर में खेल संस्कृति और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए मेरी सरकार प्रतिबद्ध है। खेल महाराण असम सरकार की पथप्रदर्शक पहल है

जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं की पहचान करना है। खेल महारण नवंबर 2023 में शुरू किया गया था और फरवरी 2024 में समाप्त हुआ था।

- असम में आयोजित खेल महाराण राज्य के लिए काफी महत्वपूर्ण रहा। इस पहल ने 2,845 गाँव पंचायतों, यूएलबी, एमएसी और वीसीडीसी में आयोजित प्रतियोगिताओं ने जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा दिया है। लगभग 53 लाख लोगों ने पंजीकरण कराया, जिसमें लगभग 31 लाख लोगों ने भाग लिया। 3, 000 से अधिक खेल के मैदान विकसित किया गया, जिससे दूरदराज के क्षेत्रों सहित बड़े पैमाने पर भागीदारी हो सकी। लगभग 1.4 लाख खिलाड़ियों की पहचान की गई, जिनमें से 612 को उन्नत प्रशिक्षण के लिए चयनित किया गया। इन खिलाड़ियों ने गुवाहाटी में तीन सप्ताह के आवासीय कोचिंग शिविर में भाग लिया, जिसे प्रसिद्ध कोचों द्वारा निर्देशित किया गया, जिससे बाइचुंग भूटिया फुटबॉल अकादमी और नेशनल

स्कूल गेम्स जैसे राष्ट्रीय मंचों के लिए चयन किया गया।

- बुनियादी ढांचे की चुनौतियों का समाधान करने के लिए, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में युवा क्लबों की स्थापना की गई, जिनमें से प्रत्येक को 15 लाख रुपये का सहायता प्रदान किया गया। इसमे 57 क्लबों को 5 लाख रुपये वितरित किए गए। राज्य ने वर्ष 2024 के राष्ट्रीय खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 56 पदक प्राप्त किए और पदक विजेताओं को नौकरियां और प्रोत्साहन प्रदान किया गया। असम ने चौथे खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलो की मेजबानी की और दो उच्च प्रदर्शन केंद्रों की स्थापना की। खेल महाराण 2.0 और 3.0 की तैयारी 55 करोड़ रुपये से अधिक बजट के साथ चल रही है।
- गुवाहाटी के अमिंगांव में 20,000 लोगों के बैठने की क्षमता वाले क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की एक बड़ी परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है और 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके

अतिरिक्त, जिला मुख्यालयों में 11 जिला स्टेडियमों और विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में 41 मिनी स्टेडियमों का निर्माण कार्य चल रहा है। नागशंकर, चमटा, घाहीगाँव और सरभोग में चार खेल सुविधाओं के विकास केन्द्र पर सरकार ध्यान दे रहा है। उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) के तहत बोंगाईगांव में चिलाराई जिला स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही, कामरूप में अमिंगांव खेल परिसर में 100 बिस्तरों वाले खेल छात्रावास के साथ-साथ कोकराझाड़ में एक अत्याधुनिक खेल स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है।

- अन्य प्रमुख पहलों में खानिकर में बहु-विषयक खेल परिसर में बैठने की क्षमता 5,000 से बढ़ाकर 15,000 करना, दीमाहासाओ जिले के मौलहोई में एक मिनी स्टेडियम, नाहरकटिया में एक हॉकी स्टेडियम, सिलचर के सिल्दुबी में एक जिला खेल परिसर, उदालगुड़ी में एक स्टेडियम और तिनसुकिया में विभिन्न खेल परियोजनाएं शामिल हैं।

असम आंदोलन के शहीदों का सम्मान और असम समझौते के खंड-6 का कार्यान्वयन

- गुवाहाटी के पचिम बोरागांव में शहीद स्मारक क्षेत्र जल्द ही पूरा हो जाएगा। इसे असम आंदोलन के शहीदों के लिए एक उपयुक्त श्रद्धांजलि के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- असम आंदोलन पीड़ित कल्याण ट्रस्ट जैसी पहलों के माध्यम से प्रभावित परिवारों के लिए शिक्षा, चिकित्सा देखभाल और रोजगार का सुविधा प्रदान किया जाता है।
- हमारी सरकार न्यायमूर्ति बिप्लब शर्मा समिति की उन सभी सिफारिशों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। लखीमपुर में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल ने प्रत्येक सिफारिश पर विचार-विमर्श किया और AASU तथा सभी हितधारकों के समन्वय से सिफारिशों को लागू करने का संकल्प लिया।

न्यायपालिका का सुदृढ़ीकरण और कानून एवं व्यवस्था का प्रवर्तन

- शांति और सुरक्षा प्रगति के लिए मूलभूत हैं, और असम ने इस संबंध में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है। राज्य के पुलिस बल नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान तेज किया है, बड़ी मात्रा में अवैध नशीले पदार्थों को जब्द की है, एनडीपीएस (NDPS) अधिनियम के तहत लगभग 2,900 मामले दर्ज किया गया और 2024 में 4,500 से अधिक व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। बाल विवाह और भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रयासों में भी कामयाबी मिला है, जिसमें सतर्कता अभियानों के माध्यम से 70 गिरफ्तारियां की गई हैं।
- MOITRI पहल के तहत, 103 पुलिस थानों का आधुनिकीकरण किया गया, जिसमें 162 और परियोजनाएं चल रही हैं। असम पुलिस ने छेड़छाड़-रोधी ब्लॉकचेन-आधारित साक्ष्य प्रबंधन प्रणाली जैसी नवीन प्रणालियां पेश की हैं और पुलिस दक्षता में सुधार के लिए "ड्रग-फ्री असम" और "असम

सीओपी" जैसे मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया हैं। अपराधबोध की दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि महिलाओं, बच्चों और साइबर अपराधों के खिलाफ अपराधों में कमी आई है। 300 से अधिक नागरिक समितियों के गठन सहित सार्वजनिक भागीदारी की पहलों ने पुलिस-समुदाययों के बीच संबंध को मजबूत बनाया है।

- अग्नि एवं आपातकालीन सेवा विभाग ने 3,700 से अधिक अग्निकांडों और 1,000 विशेष कॉलों का मामला दर्ज किया। जिसके तहत, 250 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति तथा कई लोगों की जान बचाई गई। राज्यभर में मॉक ड्रिल और जागरूकता अभियानों का आयोजन किया गया, जिससे आपदा प्रबंधन की तैयारी को मजबूती मिली।
- क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं और मोबाइल इकाइयों के साथ फोरेंसिक क्षमताओं का विस्तार किया गया है। निदेशालय को 2024 में 8,300 से अधिक मामले प्राप्त हुए हैं और यह अपराध जांच और प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

- तेजी से न्याय प्रदान करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। गुवाहाटी उच्च न्यायालय और जिला न्यायालयों में याचिकाओं की ई-फाइलिंग पहले ही शुरू की जा चुकी है।
- पिछले वर्ष शिवसागर, गोलाघाट और काछार जिले में नए जिला और उप-मंडल न्यायिक न्यायालय भवनों का उद्घाटन किया गया है। इसके अलावा, कुछ अन्य चल रही परियोजनाएं जैसे गोवालपारा, तिनसुकिया, गोहपुर, धुबरी, और दरंग में अदालत परिसर और आवासीय भवन आदि पूरा होने के कगार पर हैं।
- अदालतों में लंबित मामलों को कम करने और जेलों में भीड़ को कम करने के लिए, सरकार ने दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 321 को लागू करके छोटे/छोटे मामलों को वापस लेने की मंजूरी दी है। इस नीति के तहत मार्च 2024 तक असम राज्य में 81,000 (लगभग) छोटे/छोटे मामलों को वापस लिया गया है।

हमारी सरकार विभिन्न जनहितैषी पहलों के माध्यम गरीबी उन्मूलन, क्षेत्रीय असमानताओं तथा लैंगिक अंतर को कम करने के लिए प्रयास कर रही है। आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता, आजीविका के अवसरों का सृजन करना तथा बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता देना हमारी प्रतिबद्धता है। इसके अलावा, संपर्क सुविधा, सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता, विद्युत आपूर्ति, सिंचाई व अन्य सुविधाओं के माध्यम से कृषि में परिवर्तन, स्वास्थ्य क्षेत्र तथा शिक्षा क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए हमारी सरकार हमेशा प्रयासरत है।

शासन को लोगों के करीब लाना- संस्थागत सुधार

- मेरी सरकार की प्राथमिकता असम में संतुलित क्षेत्रीय वृद्धि और विकास पर रही है। शासन व्यवस्था में सुधार लाने तथा इसे लोगों के करीब लाने के लिए, हमने डिब्रूगढ़ को दूसरी राजधानी का दर्जा प्रदान किया, जहाँ मुख्यमंत्री कार्यालय पहले से ही कार्य कर रहा है। यह ऊपरी असम के नौ जिलों को कवर करता है।

इसके आधार पर, डिब्रूगढ़ में असम विधानसभा के चुनिंदा सत्रों के लिए बुनियादी ढाँचा विकसित के लिए कदम उठाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, विधायकों के लिए छात्रावास, कार्यालय स्थान और मंत्रियों के लिए अस्थायी आवास स्थापित किया जाएगा, ताकि वरिष्ठ अधिकारी और मंत्रिओं को अपने काम में सुविधा हो सके। इससे डिब्रूगढ़ ऊपरी असम के एक प्रमुख केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित होंगे।

- बराक घाटी में शासन व्यवस्था को मजबूत करने के प्रयास में, हमने हाल ही में बराक घाटी विकास विभाग निर्माण किया है, जो इस क्षेत्र की प्रयोजनों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे अब सिलचर में मिनी सचिवालय पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी और यह सुनिश्चित हो सकेगी कि यह एक प्रभावी प्रशासनिक केंद्र के रूप में कार्य करता है। इस मिनी सचिवालय का एकीकरण दिसपुर में असम सचिवालय के साथ करने के

साथ, यह सचिवालय बराक घाटी में एक प्रमुख केंद्र के रूप में काम करेगा, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार होगा।

- इन पहलों के माध्यम से तथा सह-जिलों के निर्माण के साथ, हम समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते है और यह सुनिश्चित करते है कि असम के सभी क्षेत्रों में संसाधनों का समान अधिकार पहुंचें जिसका वे हकदार है।

हमारे पारदर्शी शासन के कारण हमें बदलती समय की आवश्यकताओं के प्रति जिम्मेदार तथा उत्तरदायी बनाया है। राज्य तथा यहा के नागरिकों के विकास, प्रगति और समृद्धि की प्रक्रिया में उनकी सहभागिता प्रशंसनीय है और विकास की इस रोमांचक यात्रा का पहचान रही है।

मैं अपनी बात "तैत्तिरीय उपनिषद" (अध्याय 1, श्लोक 11) के एक उद्धरण के साथ समाप्त करना चाहूंगा।

"सर्वं हिताय सर्वं सुखाय। सर्वं क्षेमाय सर्वं मंगलाय।"

"Sarvaṁ Hitāya SarvaṁSukhāya. Sarvaṁ Kṣemāya Sarvaṁ Maṅgalāya."

अर्थात्: "सब कुछ सभी के हित और सुख के लिए है। सब कुछ सभी के भलाई और मंगल के लिए है।"

अंत में, मैं यह कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार राज्य के सभी क्षेत्रों का विकास तथा सभी वर्गों के कल्याण और समृद्धि के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मैं इसे विचार-विमर्श के लिए आप लोगों पर छोड़ता हूँ और आप सभी की मंगल कामना करता हूं।

जय आइ असम! जय हिंद!

****

2025
Printed at the Assam Government Press
Guwahati-21